विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

नवम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

:20-02-2021(एन.सी.ई.आर.टी. पर आधारित )

पाठ:दशम: पाठनाम जटायो: शौर्यम्

**श्लोक: ७. तस्य तीक्ष्ण नखाभ्याम् तु चरणाभ्याम् महाबल: ।**

**चकार बहुधा गात्रे व्रणान्पतगसत्तम:।।**

**अन्वय:-**(तत:) पतगसत्तम: महाबल:(खग:) तीक्ष्णनखाभ्यां चरणाभ्यां

तस्य गात्रे बहुधा व्रणान् चकार ।

**शब्दार्था:-**

तीक्ष्णनखाभ्यां – तेज नाखूनों से

चरणाभ्यां -पैरों से , तस्य - उसके (जटायु के)

महाबल: - बहुत बलशाली

पतगसत्तम:- पक्षियों में उत्तम (श्रेष्ठ)

चकार – कर दिए , बहुधा – बहुत से

गात्रे – शरीर पर , व्रणान् – घावों को

**अर्थ-**

उस उत्तम तथा अतीव बलशाली पक्षी (जटायु) ने अपने तीखे नाखूनों

तथा पैरों से उस रावण के शरीर पर बहुत से घाव कर दिए ।